पढ़ो लिखो मज़ा करो

हिन्दी कार्य पुस्तिका – 2

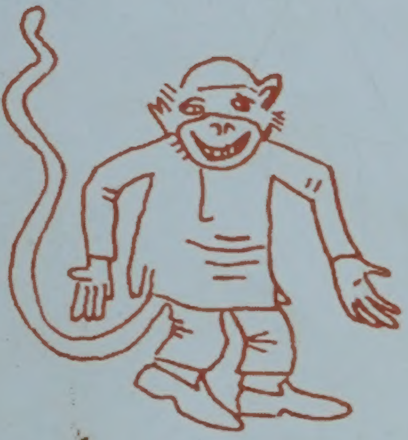

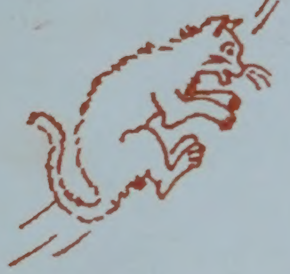

एकलव्य का प्रकाशन

नीचे बने गोलों में अपने दोस्तों के चित्र बनाओ।

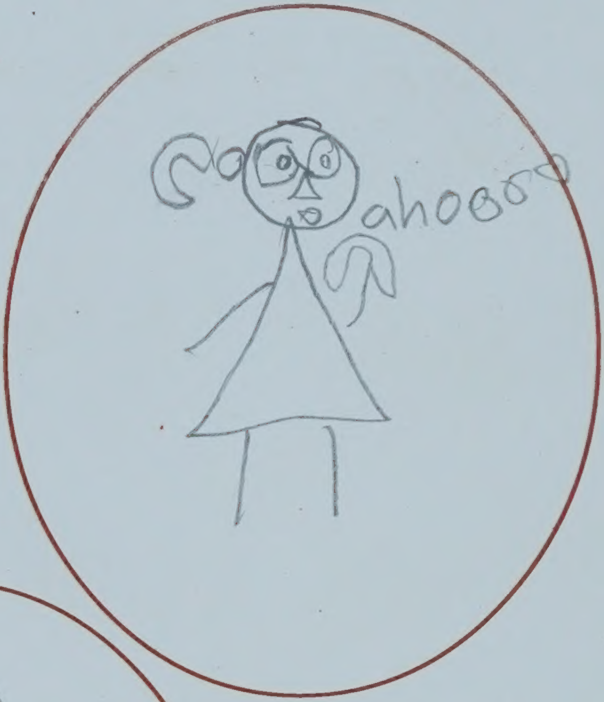

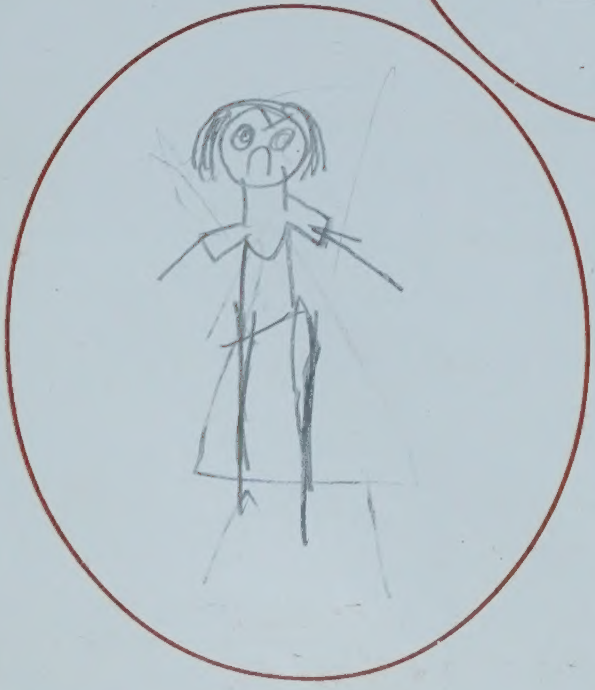

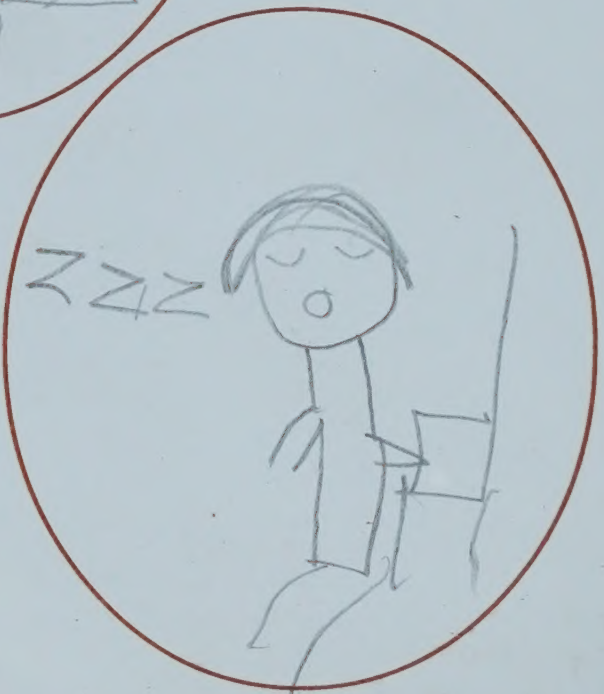

मेरे बारे में:

मेरा नाम ....अनाहिता........ है।

मेरी माताजी का नाम .... है।

मेरे पिताजी का नाम ....पल्लवी........ है।

मैं कक्षा ....दूसरी........ में हूँ।

मेरी प्राथमिक शाला .... में है।

विकासखण्ड ....

ज़िला ....

राज्य ....

बच्चों से बातचीत कर भरवाएँ।

इस पुस्तक में या कार्डों पर जहाँ-जहाँ :

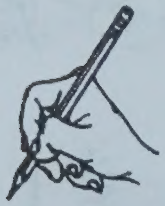

है वहाँ तुम्हें लिखाई का काम करना होगा।

है वहाँ तुम्हें पढ़ने का काम करना होगा।

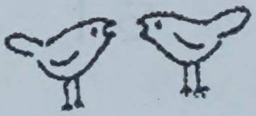

है वहाँ तुम्हें आपस में बातचीत करनी है।

पढ़ो लिखो मज़ा करोः भाग 2

Padho likho maza karo: Part 2

प्रथम प्रायोगिक संस्करणः अक्तूबर 2003/3000 प्रतियाँ
द्वितीय प्रायोगिक संस्करणः जुलाई 2004/3000 प्रतियाँ
पहला पुनर्मुद्रणः अक्तूबर 2006/3000 प्रतियाँ
दूसरा पुनर्मुद्रणः जून 2007/5000 प्रतियाँ
तीसरा पुनर्मुद्रणः जून 2008/3000 प्रतियाँ
चौथा पुनर्मुद्रणः अप्रैल 2009/3000 प्रतियाँ
पाँचवाँ पुनर्मुद्रणः जनवरी 2011/3000 प्रतियाँ
छठवाँ पुनर्मुद्रणः मई 2012/5000 प्रतियाँ
कागज़ः 70 gsm मेपलिथो और 170 gsm आर्ट (कवर) पर प्रकाशित
ISBN: 978-81-87171-82-9
मूल्यः ₹ 35.00

प्रकाशकः **एकलव्य**
ई-10, शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462016
फोनः 0755 - 255 0976, 267 1017 फैक्सः 0755 - 255 1108
सम्पादकीयः books@eklavya.in

मुद्रकः समृद्धि ऑफसेट, भोपाल, मो. 09425607202

विषय सूची

क्र.	पाठ का नाम	पेज क्र.
1.	नाव चली	1
2.	उल्लू उड़ गया	6
3.	टोपी लाल	8
4.	हाथी और खरगोश	10
5.	बन्दर मामा	13
6.	और आम भाग गया	16
7.	रसोई में भगदड़	17
8.	तितली आई फूल पर	20
9.	लालू और पीलू	22
10.	चार चने	24
11.	हाथी जी ने करी सवारी	26
12.	गुलगुला	28
13.	चिड़िया और राजा	29
14.	छः साल की छोकरी	31
15.	किसान भालू और आलू	32
16.	दादी का चिमटा	34
17.	आवाज़ ही आवाज़	39
18.	जरा बताना तो	40

शिक्षकों से...

'पढ़ो-लिखो मज़ा करो' का दूसरा भाग आपके सामने है। इस भाग में कविताओं और कहानियों के माध्यम से पढ़ना-लिखना सीखने के मौके दिए गए हैं। अपेक्षा है कि पहले भाग में बच्चे चित्रों और शब्दों के ज़रिए काफी सारे अक्षर व मात्रा अच्छी तरह से पहचानने लगे होंगे। यही नहीं, अब वे खुद ही छोटी कहानियाँ व कविताएँ पढ़ने लगे होंगे। अब उन्हें पढ़ने, समझने व अपनी बात बोलने और लिखने के मौकों की ज़रूरत है। यह पुस्तक ऐसे ही मौकों को उपलब्ध कराने की कोशिश है।

बच्चे पढ़कर समझना सीखें इसके लिए ज़रूरी है कि शिक्षक हावभाव से कहानी या कविता पढ़कर सुनाएँ, उस पर बातचीत करें। कविता में आए नए शब्दों पर ध्यान दिलाएँ। बच्चों को खुद से पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

पढ़कर समझ बनाना इस पुस्तक का केन्द्र बिन्दु है। अतः हर पाठ के बाद कहानी या कविता पर मौखिक सवाल और चर्चा है। इसके बाद ही शब्द, अक्षर और वाक्य के अभ्यास हैं। सभी कहानियों व कविताओं के अधिकांश शब्द व अक्षरों को कई बच्चे स्वयं पढ़ सकते हैं। साथ ही कुछ शब्द व अक्षर बच्चों के लिए नए होंगे। इन पर पाठ के बाद अभ्यास दिए गए हैं। अलग-अलग पाठों में कुछ अलग तरह के अभ्यास हैं। आवश्यकता लगने पर आप पाठों में और अभ्यास जोड़ सकते हैं। इस तरह के अभ्यास पुस्तकालय की पुस्तकों के साथ भी कराएँ। नीचे दी गई पुस्तकों पर इस तरह के अभ्यास कराए जा सकते हैं :

कहानियाँ: लालू और पीलू, हाथी और कुत्ता, मीनू और पूसी, एक दिन, मेरा भाई, हाथी और भँवरे की दोस्ती, रूसी और पूसी, नाव चली, तीन बिल्लियाँ, बिल्लियों की बारात, क्या तुम मेरी अम्मा हो, दानी पेड़, बोबक बकरा, तोता, मीता के जादुई जूते, आदि।

कविताएँ: रंग बिरंगे गीत, नन्हें मुन्ने गीत, हक्का बक्का, बिल्ली बोली म्याऊँ, बतूता का जूता, आदि।

शुरू के पाठों के अन्त में शिक्षकों के लिए कुछ निर्देश दिए गए हैं। ये निर्देश अन्य पाठों के लिए भी सन्दर्भित कर उपयोग किए जा सकते हैं।

आशा है आपको यह पुस्तक पहली कक्षा के बच्चों के लिए उपयोगी लगेगी।

प्राथमिक शिक्षा समूह
एकलव्य

जून 2004

यह पुस्तक **एकलव्य** द्वारा बैतूल ज़िले में चलाए जा रहे शिक्षा प्रोत्साहन केन्द्र कार्यक्रम के तहत विकसित की गई है। इसकी सामग्री विभिन्न स्रोतों से ली गई है। चयन व सम्पादन की मुख्य ज़िम्मेदारी अंजली नरोना व घनश्याम तिवारी की रही है। रश्मि पालीवाल का सहयोग रहा है।

चित्र ऋचा टेम्बे व विवेक वर्मा ने बनाए हैं। लेआउट व उत्पादन राकेश खत्री, नीलेश मालवीय, घनश्याम तिवारी एवं अंजली नरोना द्वारा किया गया है। टाईपसेटिंग भूपेन्द्र नामदेव ने की है।

सम्पादन एवं उत्पादन के समन्वय की ज़िम्मेदारी अंजली नरोना एवं घनश्याम तिवारी की रही है।

इनके अलावा शिक्षा प्रोत्साहन केन्द्र एवं प्राथमिक शिक्षा से जुड़े कई लोगों का योगदान रहा है।

नाव चली

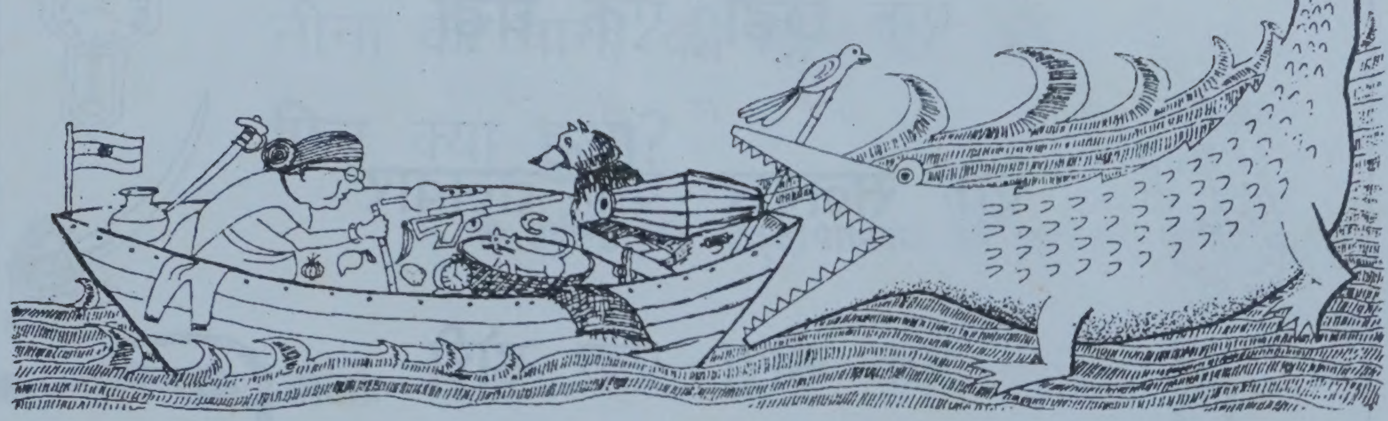

नाव चली
नानी की **नाव** चली
नीना की नानी की **नाव** चली
लम्बे **सफर** पे।
सामान घर से **निकाले गए**
नानी के घर से **निकाले गए**
और नानी की नाव में **डाले गए।**
क्या-क्या डाले गए?

- **इन्हें ऊपर ढूँढ़ो:**

नाव – व	सफर – फ	निकाले – नि
गए – ग	डाले – डा – ड	

गीत हाव-भाव से पढ़कर सुनाएँ। बातचीत करें – नानी की नाव में क्या-क्या होगा? चित्र देखकर बताओ। बच्चे बताएँ और आप बोर्ड पर लिखते जाएँ।

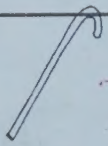

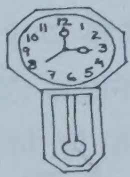

एक **छड़ी** एक **घड़ी**

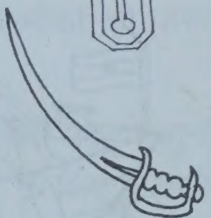

एक **सलवार** एक **तलवार**

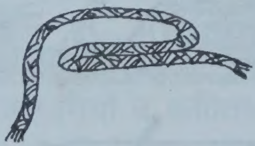

एक **डोरा** एक **डोरी**

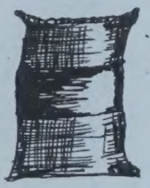

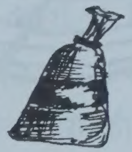

एक **बोरा** एक **बोरी**

एक **डण्डा** एक **हण्डा**

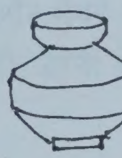

एक **केला** एक **आम**

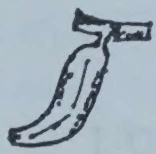

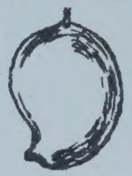

एक **कच्चा** एक **पक्का**

और **टोकरी** में एक **बिल्ली** का **बच्चा**

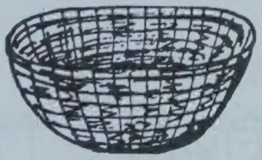

मोटे अक्षर वाले शब्द ढुँढ़वाएँ। आगे पढ़ें। जहाँ मदद की ज़रूरत हो, करें।
पढ़ने के बाद फिर चित्र में ढुँढ़वाएँ। लिखी गई चीज़ें नाव में दिख रही हैं या नहीं।
बोर्ड पर लिखी सूची से मिलान करवाएँ।
दिए गए अभ्यास कॉपी/पट्टी पर भी करवाएँ।

फिर एक मगर ने पीछा किया
नानी की नाव का पीछा किया
नीना की नानी की नाव का पीछा किया।

फिर क्या **हुआ?**

● **हरीन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय की कविता पर आधारित**

● **पढ़ो और बोलो:**

डण्डा हण्डा डोरा डोरी – ड

आम – आ 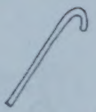 छड़ी मछली – छ

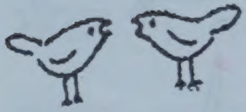

● **आपस में बातचीत करके बताओ।**

– किसी सफर के बारे में बताओ।

– नाव के बारे में, उस पर बैठने, चलने के बारे में।

● **इन्हें बोलो और ा की मात्रा पर गोला लगाओ।**

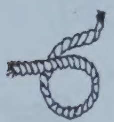 डोरा बोरा 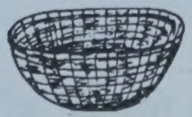 टोकरी

● **अब ि की मात्रा पर गोला लगाओ।**

निकाले बिल्ली किया

दिए गए अभ्यास कराएँ। जहाँ ज़रूरत हो कविता में ढुँढ़वाएँ। इन्हीं व इन जैसे शब्दों, अक्षरों एवं मात्राओं से और अभ्यास कॉपी या स्लेट पर करवाएँ।
पुस्तकालय की पुस्तकों में नाव, बिल्ली आदि से सम्बन्धित किताब ढुँढ़वाएँ, पढ़वाएँ।

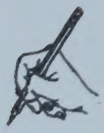

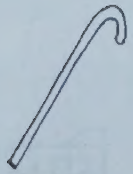 ....ड़ी 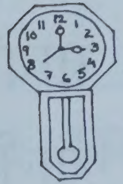 घ..........................

..........................करी 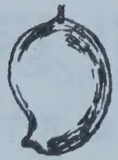 ....म

डण..........................

- **चित्र देखकर खाली स्थान भरो।**

नानी का .... नानी की ....

रीता की .... रोहन की .... 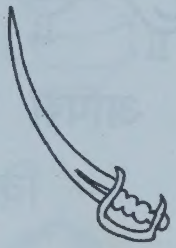

- **तुक मिलाकर शब्द बताओ-लिखो**

डण्डा .... सलवार ....

बच्चा .... पक्का ....

- **ि की मात्रा सही जगह पर लगाओ। शब्दों को पढ़ो।**

बल्ली .... 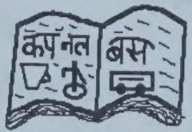

कताब ....

किया कया .... फिर फर ....

- **इन शब्दों से वाक्य बनाकर स्लेट/कॉपी पर लिखो।**

नाव सफर छड़ी टोकरी हण्डा

जैसे – हम **नाव** से नदी पार करते हैं।

- **'फ' वाले और शब्द बोलो और कॉपी पर लिखो।**

जैसे – सफल

- **सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरो।**

नानाजी (का/की) .... छड़ी।

नानीजी (का/की) .... डण्डा।

रवि ने सलवार (पहना/पहनी) .... ।

मीता ने तलवार (पकड़ी/पकड़ा) .... ।

बच्चा, कच्चा – च्चा

- **'च्चा' वाले और शब्द बोलो और लिखो।**

पक्का – क्का

- **'क्का' वाले और शब्द बोलो और लिखो।**

बिल्ली – ल्ली

- **'ल्ली' वाले और शब्द बोलो और लिखो।**

जैसे – तिल्ली, ...

- **जल्दी-जल्दी बोलो:**

कच्चा पापड़, पक्का पापड़

उल्लू उड़ गया

एक रात को कल्लू मल्लाह की नाव में बिल्ली छिपी बैठी थी। एक उल्लू उड़कर आया और नाव के किनारे बैठ गया।

बिल्ली उस पर लपकी। उल्लू उड़ गया और बिल्ली पानी में जा गिरी।

- **पढ़ो और बोलोः**

उल्लू उड़ — उ

आया गया — या य

बैठ बैल — ै की मात्रा वाले और शब्द बताओ।

- **उत्तर लिखो।**

बिल्ली कहाँ छिपी थी? ....

नाव पर कौन बैठा? ....

बिल्ली किस पर लपकी? ....

पानी में कौन गिरा? ....

कहानी में आगे क्या हुआ होगा? ....

- **शब्दों में 'या' जोड़कर लिखो और पढ़ो।**

आ.......... ग.......... ला.......... लगा.......... पा..........

- **खाली स्थान भरो।**

कौआ उड़ .... । .... उड़ गई। .... उड़ गया।

- **चित्र देखकर कॉपी में कहानी लिखो।**

उड़ का खेल खिलवाएँ

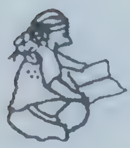

टोपीलाल

बाबूलाल ने किया कमाल

रंग ली अपनी **टोपी** लाल

टोपी ले पहुँचे भोपाल

वहाँ **ताल** में डाला **जाल**

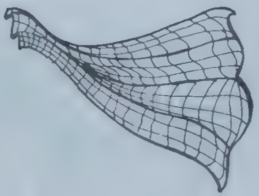

जाल की **डोरी** मोटी

टोपी बने **लँगोटी**

● **सर्वेश्वरदयाल सक्सेना**

● **पढ़ो, ढूँढ़ो।**

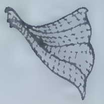

टोपी – टो, ट, ो

जाल – जा, ज, ा

लँगोटी – ँ

वहाँ

- **बातचीत**

– बाबूलाल ने क्या कमाल किया?

– तुम कभी भोपाल गए हो या भोपाल के बारे में सुना है? क्या-क्या पता है भोपाल के बारे में, बताओ।

– "वहाँ ताल में डाला जाल" में 'वहाँ' का क्या मतलब है?

- **सोचो और लिखो।**

लाल रंग की ....पी

पीले रंग की .... गोटी

नीले .... की ....री

- **चित्र बनाओ।**

ताल

जाल

- **कविता में से ॅ की मात्रा वाले शब्द ढूँढ़कर पूरे करो। इन शब्दों से वाक्य बनाकर कॉपी में लिखो।**

............टी ....करी ....पाल लँ............टी

- **पुस्तकालय में *महँगू की टाई* नाम की पुस्तक ढूँढो और कविताएँ पढ़ो।**

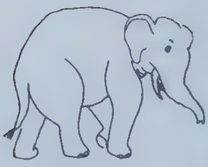

हाथी और खरगोश

एक **खरगोश** था। एक **हाथी** था। दोनों टहल

रहे थे। .... को एक **अण्डा** मिला। बहुत बड़ा-सा

.... । .... ने पूछा – यह किसका .... है?

.... बोला – **मुरगी** का होगा। .... बोला – पर

यह तो .... से बड़ा है। .... बोला – तो फिर

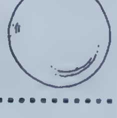

यह .... का .... होगा। .... बोला –

पर यह तो .... से भी बड़ा है।

चित्र देखकर उनके नीचे नाम लिखवाएँ।

एक कौआ पेड़ पर बैठा सुन रहा था। उसने आकर

अण्डे में चोंच मारी। .... फूटा – भड़ाम! उसकी सारी

हवा निकल गई। सब हँसने लगे – हा–हा–हा!

- **पढ़ो और चित्र बनाओ।**

हाथी : चींटी बहन, कहाँ जा रही हो?

चींटी : मैं मेले में जा रही हूँ।

हाथी : मुझे अपनी पीठ पर बैठाकर ले चलो न, मेरे पैर में चोट लगी है।

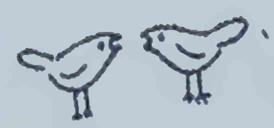

● **बातचीत**

– खरगोश ने क्या देखा? क्या वह सही में अण्डा था? तो फिर क्या था?

– इनमें से तुमने क्या-क्या देखा है:
खरगोश, मोर, बन्दर, हाथी, कौआ, बिल्ली, मुरगी।
इनमें से कौन अण्डे देते हैं और कौन बच्चे?

– मोर और मुरगी में दो अन्तर और दो समानताएँ बताओ।

● **पढ़ो और बोलो।**

खरगोश – श

श या शा लगाकर शब्द पूरा करो और पढ़ो।

खरगोश शरबत खामोश शनिवार

परेशान हमेशा शक्कर

'ख' वाले शब्द लिखो। उनसे वाक्य भी बनाओ।

मैंने खाना खाया।

● **जोड़ी लिखो –**

मोर – मोरनी बिल्ली – बिल्ला

मुरगी – मुरगा खरगोश – खरगोश

बच्चों को सवाल खुद पढ़ने दें। पढ़ने और समझने में उनकी मदद करें।

बन्दर मामा

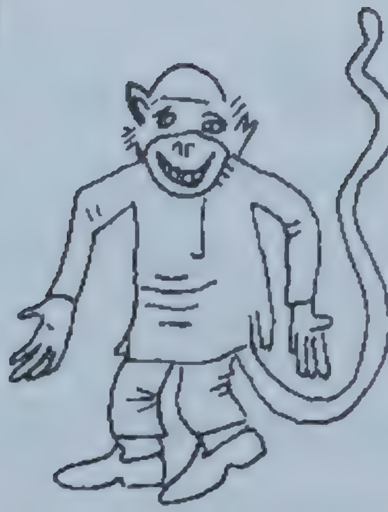

बन्दर मामा पहन पजामा
दावत खाने आए।
पीला कुरता, टोपी जूता
पहन बहुत इतराए।
बन्दर मामा ......

रसगुल्ला लख, बोले लूँ चख,
डाला मुँह में गप से।
नरम-नरम था, बड़ा गरम था,
जीभ जल गई लप से।
बन्दर मामा ....

बन्दर मामा फेंक पजामा
आँसू भर-भर रोए।
घर पर पहुँचे, थे झल्लाए,
बिस्तर पर जा सोए।
बन्दर मामा ....।

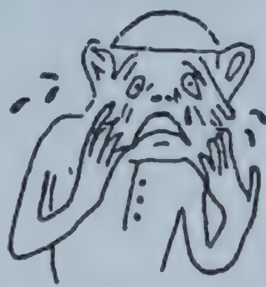

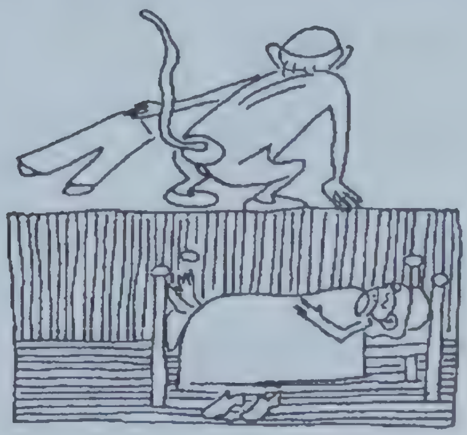

लख = देखना

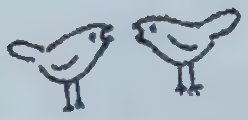

- **बातचीत**

– रसगुल्ला कैसा होता है?

– खाने में कैसा लगता है?

– क्या कभी तुम्हारा मुँह किसी गरम चीज़ से जला है? उसके बारे में बताओ।

– कभी बन्दर ने तुम्हारे यहाँ से कोई चीज़ खाई है?

- **इस कविता को कहानी की तरह सुनाओः**

जैसे – एक बन्दर था। वो . . .

- **कविता में लाइन ढूँढ़ो और उस पर गोला बनाओ।**

1. पहन बहुत इतराए।
2. नरम-नरम था, बड़ा गरम था।

- **बोलोः**

लख, चख	–	ख
जीभ, भर	–	भ
बन्दर, दावत	–	द
पजामा, जाल	–	ज

- **कविता से ढूँढ़कर तुक वाले शब्द बोलो और लिखो।**

मामा .... इतराए .... लप .... नरम ....

- **नीचे लिखे शब्दों से वाक्य बनाओ और कॉपी पर लिखो।**

लख, कुरता, इतराए, झल्लाए, दावत, बिस्तर, रसगुल्ला

जैसे – राम ने कुरता पहना है।

- **" ु " की मात्रा वाले और शब्द ढूँढ़ो और लिखो।**

कुरता बहुत ....

'द' वाले शब्द लिखो।

- **जाली में से शब्द ढूँढ़कर बोलो और लिखो।**

ल	प	जा	मा	मा

....

कु	र	ता	ला	ए

....

- **पढ़ो और चित्र बनाओ।**

मेरे घर के सामने एक नाला है। नाले में पानी है। बकरी पानी पीती है। फिर चली जाती है।

लिखित अभ्यास कराने से पहले बच्चों से चर्चा करें। बच्चों को अपने अनुभव कॉपी पर लिखने को कहें।

और आम भाग गया...

एक आम छाता लगाकर खड़ा था। तभी एक बकरी आ गई। बोली – आम भैया, मैं भीग रही हूँ। मैं भी तुम्हारे छाते के नीचे आ जाऊँ?

आम बोला – आ जाओ। तभी एक लोमड़ी भी छाते के नीचे आकर खड़ी हो गई।

थोड़ी देर बाद लोमड़ी बोली – बकरी बाई, तुम तो बहुत भीग गई हो। मैं तुम्हें चाटकर सुखा दूँ। तुम आम को चाटकर सुखा दो। बकरी आम को चाटने लगी। लोमड़ी बकरी को चाटने लगी।

आम लोमड़ी की चाल समझ गया। तभी ज़ोर की हवा चलने लगी। छाता उड़ गया। आम लुढ़ककर एक पत्थर के नीचे चला गया।

लोमड़ी और बकरी ने उसे बुलाया पर वह बाहर नहीं आया।.... (आगे क्या हुआ होगा?)

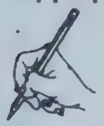

- **कॉपी में चित्र बनाओ।**

– आम छाता लगाकर खड़ा है और पानी गिर रहा है।

– आम खड़ा रह गया और छाता उड़ गया।

– एक पेड़ जिसमें खूब सारे आम लगे हैं।

रसोई में भगदड़

दबे पाँव से बिल्ली आई
लगी चाटने दूध मलाई।
गरम लगा तो प्लेट गिराई
पटके बरतन धूम मचाई।
कुत्ते ने जो आहट पाई
दौड़ के झटपट पहुँचा भाई।
भौं भौं कर आवाज़ लगाई
मुनिया झट से दौड़ी आई।
अरे ये कैसी हो गई गड़बड़
रसोई में मच गई भगदड़।

- **बातचीत**

– बिल्ली कैसे आई?

– कुत्ते ने कैसे आवाज़ लगाई?

– मुन्नी ने क्या देखा? उसने क्या किया होगा?

– क्या तुम्हारी रसोई में कभी बिल्ली घुसी है? उसने क्या किया? बिल्ली के घुसने का कौन-सा रास्ता है?

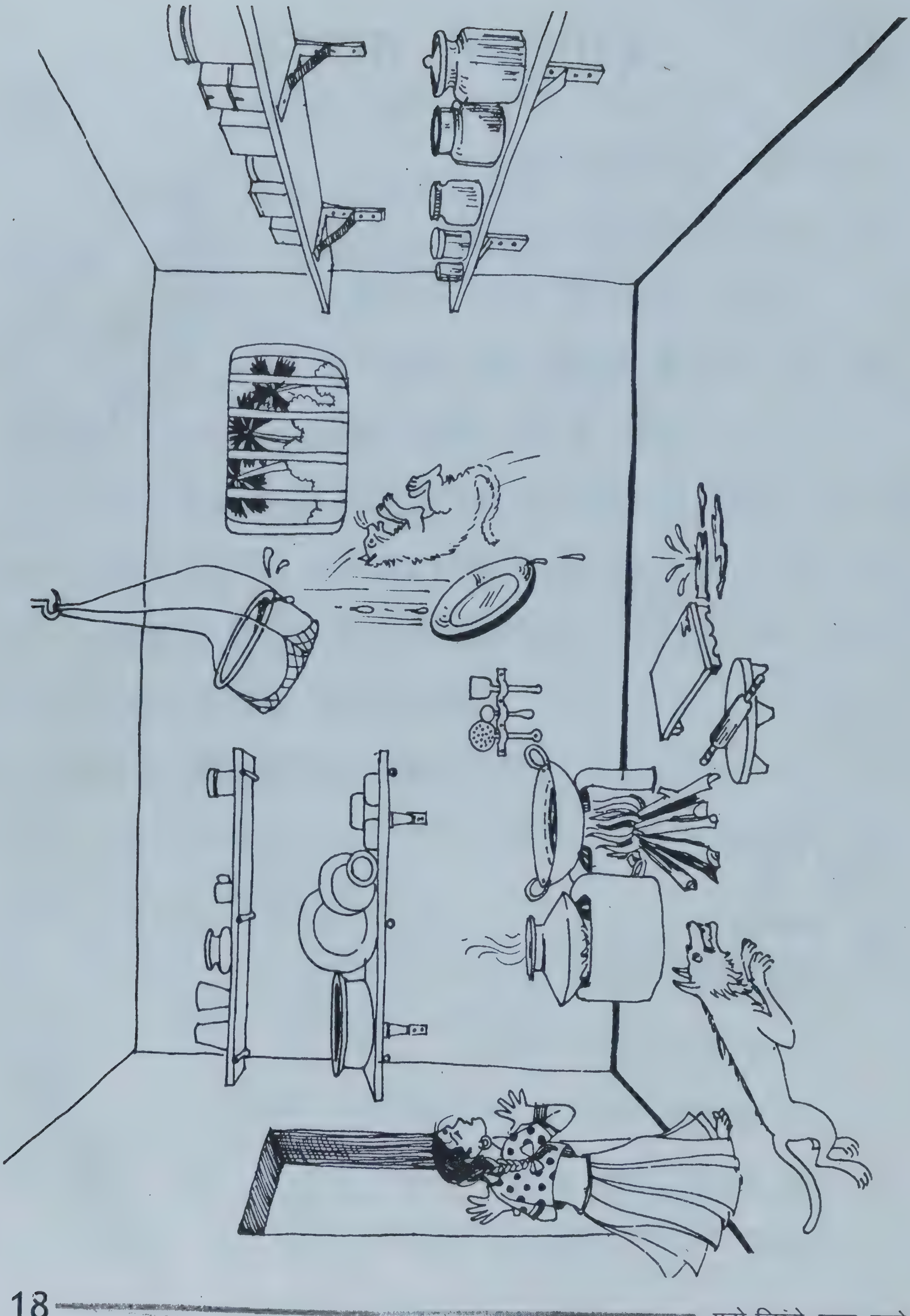

- चित्र में सभी चीज़ों के नाम लिखो।

मलाई – ई, दूध – धूम – ध

- इन से वाक्य बनाकर स्लेट पर लिखो।

- 'ई' जोड़कर लिखो – पढ़ो

गिरा –	गिराई	मचा –	....
पिटा –	....	लगा –	....
चला –	....	पा –	....

- जोड़ी बनाओ।

दूध – रात

खील – मलाई

दिन – बताशा

जिन शब्दों में 'भ' आया है, उन पर गोला ◯ लगाओ।

जिन शब्दों में 'द' आया है, उन पर ☐ बनाओ।

'घ' वाले शब्द ढूँढ़ो, पढ़ो और उनके नीचे लाइन खींचो।

तितली आई फूल पर

फड़-फड़ करते अपने पंख
तितली आई फूल पर।
ऊपर नीचे नीचे ऊपर
तितली आई फूल पर।

काँटे पत्ते डाली के संग
हिला-हिलाकर अपने पंख
ऊपर नीचे नीचे ऊपर
तितली आई फूल पर।

कविता के लिए चित्र बनाओ।

- **बातचीत**

तितली के बारे में बताओ – कौन-कौन से रंग की तितलियाँ तुमने देखी हैं? अपनी स्लेट पर तितली का चित्र बनाओ। सोचो कि तुम एक तितली हो। अपने बारे में पाँच वाक्य बोलो।

- **पढ़ना-लिखना।**

कहानी की किताबों में से पढ़कर ऐसे शब्द लिखो जिनमें 'फ' आता हो।

- **नीचे शब्दों की जोड़ियाँ दी गई हैं। हर जोड़ी में केवल एक अक्षर या मात्रा का अन्तर है। इन्हें पहचानो तथा इनके अर्थ पर चर्चा करो।**

रग – रंग	फल – फूल	काटे – काँटे
नीचे – नाचे	पंख – पंखा	चना – चूना
केला – कला	पेड़ – पेड़ा	पास – पासा
हिल – हिला	कान – काना	पलक – पालक
सफल – फसल	कमल – कलम	

- **पत्ते त्ते त्त वाले और शब्द बोलो।**
- **'ऊ' वाले शब्दों पर गोला लगाओ।**
- **तितली और फूल बनकर दो साथी बात करो।**
- **'नीचे' व 'ऊपर' से कुछ वाक्य बनाकर लिखो।**

जैसे गेंद पेड़ के ऊपर फँस गई।

- **जोड़े बनाओ।**

आई	पीछे
नीचे	उधर
आगे	गई
इधर	ऊपर

- **सही जोड़े बनाने के बाद उनसे वाक्य बनाओ और कॉपी में लिखो।**

लालू और पीलू

ऊ – "ू"

एक मुरगी के दो चूज़े थे। एक का नाम था लालू। दूसरे का नाम था पीलू। लालू लाल चीज़ खाता था। पीलू पीली चीज़ खाता था।

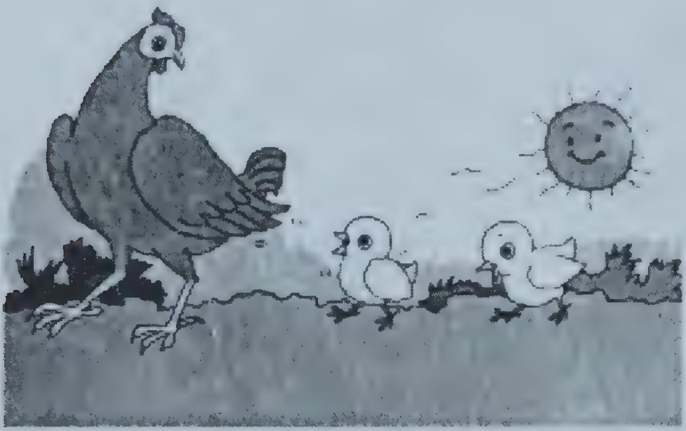

एक दिन लालू ने एक पौधे पर कुछ लाल-लाल देखा। लालू ने उसे खा लिया। अरे, यह तो लाल मिरची थी! लालू की जीभ जलने लगी। वह रोने लगा।

मुरगी दौड़ी-दौड़ी आई। पीलू भी भागा। वह पीले-पीले गुड़ का टुकड़ा ले आया।

लालू ने झट गुड़ खाया। उसकी जलन ठीक हो गई। मुरगी ने लालू और पीलू को लिपटा लिया।

● **विनीता कृष्णा**

लालू – चूज़े	–	ू
पौधा – और	–	ौ

- **बातचीत**

तुम्हें कभी मिरची लगी है?

मिरची लगने पर तुमने क्या किया?

कभी तुमने मुरगी के चूज़े देखे हैं? वे कैसे पैदा होते हैं?

लालू को मिरची लगी तो उसने क्या किया?

- **लिखना**

जूता, पूला जैसे ू की मात्रा वाले और शब्द लिखो।

सही जगह पर ौ की मात्रा लगाकर शब्द लिखो।

प धा क आ ल की

हथ ड़ी द ड़

- **मिलकर कहानी आगे बढ़ाओ।**

– एक बार महेश को मिरची लगी, ...

– एक बार कमला ने कड़वी ककड़ी चबा ली ...

चार चने

पैसा पास होता तो चार चने लाते।
चार में से एक चना तोते को खिलाते।
तोते को खिलाते तो टाँव-टाँव गाता।
टाँव-टाँव गाता तो बड़ा मज़ा आता।

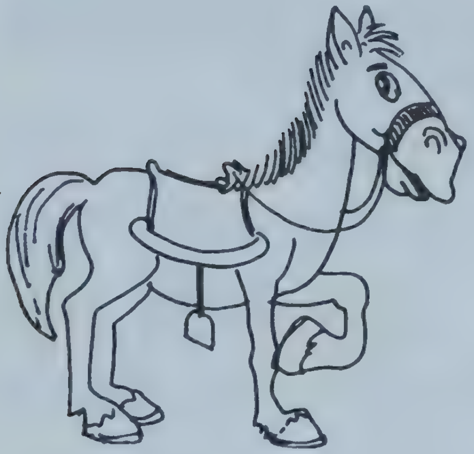

पैसा पास होता तो चार चने लाते।
चार में से एक चना घोड़े को खिलाते।
घोड़े को खिलाते तो पीठ पर बिठाता।
पीठ पर बिठाता तो बड़ा मज़ा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते।
चार में से एक चना चूहे को खिलाते।
चूहे को खिलाते तो दाँत टूट जाता।
दाँत टूट जाता तो बड़ा मज़ा आता।

● निरंकारदेव सेवक

- **चार चने होते तो ये सब क्या-क्या कहते सभी को सुनाओ।**

  किसान कहता – चार चने होते तो............

  बन्दर, शेर, बुढ़िया, चूहा, घोड़ा, चिड़िया

– क्या आपने आसपास कोई तोता देखा है?

– वो क्या-क्या बोलता है? अपनी कॉपी में लिखो और कक्षा में सभी को सुनाओ।

– लोग तोता क्यों पालते हैं? तुम्हें तोता कहाँ अच्छा लगेगा – पिंजरे में या बाहर उड़ता हुआ? क्यों?

– तुम्हारे पास 100 रुपए होते तो क्या-क्या करते? कॉपी में लिखो और सभी को सुनाओ।

– किन शब्दों में ँ आया है? उनके नीचे लाइन खींचो।

  ' ृ ' की मात्रा वाले शब्द ढूँढ़कर लिखो।

– चित्र देखकर कॉपी में कहानी लिखो।

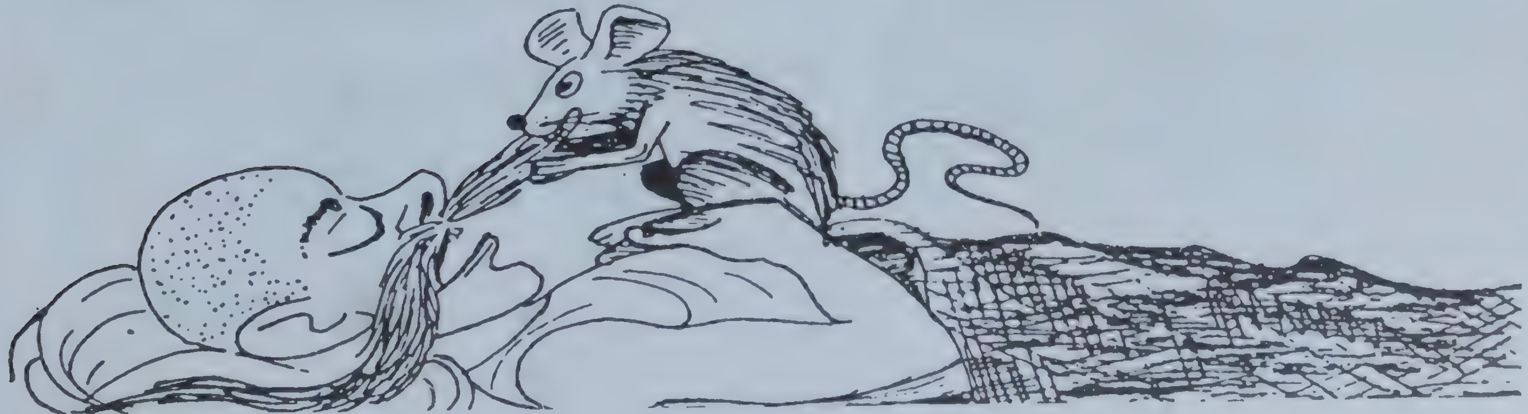

हाथी जी ने करी सवारी...

एक बैल की थी वो गाड़ी
हाथी उस पर बैठा भारी
खरगोश भैया लगे हाँकने
बैल बेचारा लगा काँखने।

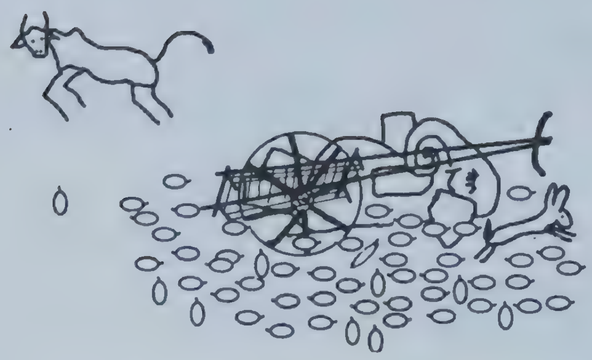

हाथी ने तो हद ही कर दी
दस डलिया आम की भर दी
बैल जान बचाकर भागा
पीछे लुढ़के हाथी दादा।

● घनश्याम तिवारी

- **बातचीत**

– हाथी दादा पीछे क्यों लुढ़क गए?

– "बैल जान बचाकर भागा" क्यों?

– बैलगाड़ी कौन हाँक रहा था?

– बैलगाड़ी में कौन-कौन बैठा था?

– यदि गाड़ी में दो बैल होते तो क्या होता?

– यदि हाथी दादा खरगोश पर लुढ़कते तो क्या होता?

– बैलगाड़ी उलार (गाड़ी का आगे से ऊपर उठना) कब हो जाती है?

– क्या तुमने कभी किसी गाड़ी को उलार होते देखा है? कॉपी में उसका चित्र बनाओ।

– 'हाथी और चूहे का बच्चा' पढ़ो।

- हद – दस – दादा – द वाले और शब्द लिखो जैसे 'अदरक'। और उनसे वाक्य बनाओ।

गुलगुला

छुट्टी हुई खेल की,
चढ़ी कड़ाही तेल की
सुर-सुर उठता बुलबुला
छुन-छुन सिकता गुलगुला
भुरभुरा और पुलपुला
मीठा-मीठा गुलगुला
गुलगुला जी गुलगुला
बड़े मज़े का गुलगुला

● **रामकृष्ण शर्मा 'खद्दरजी'**

● **कॉपी में लिखो**

– गुलगुले के बारे में कोई तीन बातें लिखो।

– गुलगुला या पकौड़े तलने पर तेल में बुलबुले क्यों निकलते हैं? अलग-अलग लोगों से पता करके कक्षा में चर्चा करो।

– कॉपी में एक जलते चूल्हे का चित्र बनाओ जिस पर कड़ाही रखी हो।

चिड़िया और राजा

एक चिड़िया को कहीं से एक मोती मिल गया। चिड़िया ने उसे अपनी नाक में पहन लिया। फिर वह राजा के महल पर जा बैठी और गाने लगी, "मैं राजा से बड़ी, मेरी नाक में मोती।"

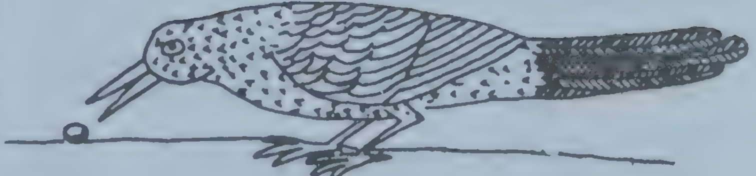

यह सुनकर राजा को गुस्सा आ गया। उसने अपने आदमियों से कहा कि चिड़िया का मोती छीन लाओ। उन्होंने जाकर झट-से चिड़िया से मोती छीन लिया। अब चिड़िया पहले का गाना छोड़कर दूसरा गाना गाने लगी, "राजा भिखारी, मेरा मोती छीन लिया।"

यह गीत सुनकर राजा बड़ा शरमाया। उसने चिड़िया को उसका मोती लौटा दिया। मोती मिलने पर चिड़िया ने एक और नया गीत शुरू किया, " राजा तो डर गया, मेरा मोती दे दिया।"

यह गीत सुनकर राजा गुस्से से लाल हो गया। उसने चिल्लाकर कहा, ''पकड़ लाओ इस बदमाश चिड़िया को।'' उसके आदमी चिड़िया को पकड़ने के लिए दौड़े मगर चिड़िया फुर्र से उड़ गई।

राजा हाथ मलता रह गया।

- **बातचीत**

– चिड़िया ने क्यों कहा – मैं राजा से बड़ी?

– यह सुनकर राजा ने क्या किया?

– चिड़िया ने राजा को भिखारी क्यों कहा?

– राजा ने चिड़िया का मोती वापस क्यों किया?

– अन्त में क्या हुआ?

- उसकी बस छूट गई। ''वह हाथ मलता रह गया।'' इस मुहावरे का और घटनाओं के साथ उपयोग करो।

इसी तरह ''गुस्से से लाल हो गया'' का उपयोग करो।

- 'या' से खत्म होने वाले शब्द ढूँढ़ो और लिखो।

छः साल की छोकरी

छः साल की छोकरी
भरकर लाई टोकरी।
टोकरी में आम हैं
नहीं बताती दाम है।
दिखा-दिखाकर टोकरी
हमें बुलाती छोकरी।
हमको देती आम है
नहीं बताती नाम है।
नाम नहीं अब पूछना
हमें आम है चूसना।

● रामकृष्ण शर्मा 'खद्दरजी'

● इस कविता को कहानी/विवरण के रूप में लिखो।

किसान, भालू और आलू

एक किसान आलू बोने के लिए जंगल गया। वह हल चला रहा था। इतने में वहाँ एक भालू आया। भालू बोला यहाँ फसल लगाओगे तो मेरा हिस्सा देना पड़ेगा। किसान ने कहा – ठीक है। ऐसा करते हैं, तुम ऊपर का हिस्सा ले लो, मैं ज़मीन के नीचे का हिस्सा ले लेता हूँ। भालू बोला – ठीक है। अगर धोखा दोगे तो जंगल में पैर नहीं रखने दूँगा।

जब फसल आई तो भालू किसान के पास पहुँचा और बोला – मेरा हिस्सा दे दो। किसान ने भालू को सारे पत्ते दे दिए और मोटे-मोटे आलू रख लिए। भालू बोला – तुम्हारे हिस्से को भी तो चखकर देखूँ। भालू ने आलू चखा और गुस्से से बोला – तुमने मुझे धोखा दिया है। असली माल तो खुद रख लिया और मुझे कड़वे पत्ते थमा दिए। अगली बार मैं ज़मीन के नीचे का लूँगा।

किसान मान गया। अगली बार उसने आलू नहीं गेहूँ बोए।

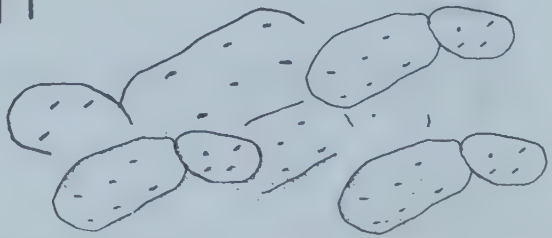

- **कहानी पढ़कर चित्र बनाओ और बताओः**

– ऐसे चार पौधों के नाम बताओ जिनका हम ज़मीन के नीचे का हिस्सा खाते हैं। क्या हम इनकी पत्तियाँ भी खाते हैं?

– क्या दूसरी बार भी किसान ने भालू को धोखा दिया? कैसे?

- **कहानी के अनुसार वाक्य सही क्रम में अपनी कॉपी में लिखो।**

इतने में वहाँ एक भालू आया। एक किसान आलू बोने के लिए जंगल गया। भालू बोला यहाँ फसल लगाओगे तो मेरा हिस्सा देना पड़ेगा। वह हल चला रहा था।

- **खेत में आलू बोने का तरीका लिखो।**

- **चित्र पहेली पूरी करो।**

1.

3.

2.

4. 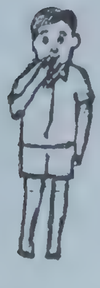

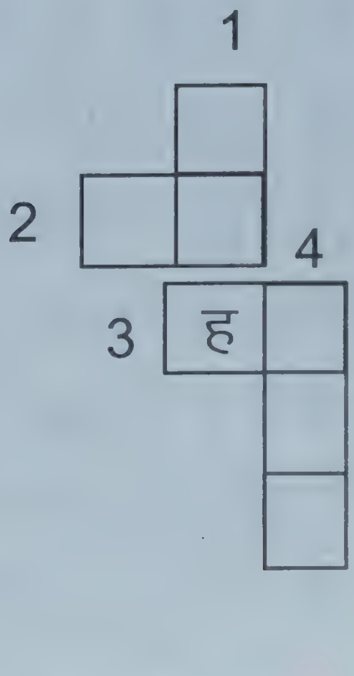

दादी का चिमटा

आज ईद है। हामिद ईद का मेला देखने जा रहा है। हामिद करीब पाँच साल का एक गरीब लड़का है। उसके न माँ है न पिता। वह अपनी दादी के साथ रहता है। दादी बड़ी मुश्किल से कुछ पैसे कमाती। इसी से हामिद और उसकी दादी का गुज़ारा चलता है। फिर भी दादी ने उसे तीन पैसे दिए।

वह पहली बार ईद के मेले में जा रहा है। दादी घबरा रही है। इतनी दूर कैसे जाएगा? उसके पैर में जूते भी तो नहीं हैं। पर हामिद के साथ उसके दोस्त हैं – मोहसिन, महमूद, नूरे, सम्मी। वह दादी से कहता है – डरना मत। मैं सबसे पहले घर आ जाऊँगा।

लगता है पूरा गाँव ही ईदगाह जा रहा है। ईदगाह में ईद की नमाज़ पढ़ी जा रही है। न जाने कितने लोग एक के पीछे एक पंक्तियों में खड़े हैं। आदमी ही आदमी

हैं। औरतें तो घर पर सेंवई पका रही हैं।

नमाज़ खत्म हुई। सब लोग गले मिल रहे हैं। एक दूसरे को 'ईद मुबारक' कह रहे हैं। अब पूरी भीड़ मेले की तरफ बढ़ती है। हामिद और उसके दोस्त भी चल पड़ते हैं।

पहले झूले हैं – तरह तरह के झूले – लकड़ी के हाथी, घोड़े, ऊँट लटके हैं। एक पैसा देकर पच्चीस चक्करों का मज़ा ले सकते हैं। हामिद के दोस्त झूले पर बैठते हैं। झूला झूलते हैं, लेकिन हामिद नहीं बैठता। उसके पास तीन पैसे ही तो हैं। एक पैसा झूला झूलने में लगा दिया तो बचेगा क्या?

फिर सब लोग खिलौनों की दुकानों की तरफ बढ़ जाते हैं। तरह-तरह के खिलौने हैं – सिपाही, राजा, वकील, भिश्ती साधू – सुन्दर-सुन्दर खिलौने। सब खिलौने दो-दो पैसे के हैं। हामिद खिलौना लेना चाहता है। लेकिन इतने महँगे खिलौने कैसे ले सकता है। उसके पास तीन पैसे ही तो हैं। और फिर खिलौने तो मिट्टी के हैं। एक दो बार खेलेंगे तो टूट जाएँगे।

फिर सब मिठाई की दुकानों की तरफ जाते हैं। उसके सभी दोस्त रेवड़ी, गुलाब-जामुन, सोहन हलुआ खा रहे हैं। हामिद ललचाई आँखों से सबको देखता है। पर कोई उसे मिठाई नहीं देता।

इसके बाद लोहे की चीज़ों की दुकाने हैं। हामिद के दोस्त वहाँ नहीं रुकते। पर हामिद को एक चिमटा दिखाई देता है। उसे ख्याल आता है कि उसकी दादी के पास चिमटा नहीं है। रोटियाँ उतारते समय उसकी उँगलियाँ जल जाती हैं। हामिद के कीमत पूछने पर दुकानदार कहता है – छः पैसे। हामिद कहता है – तीन पैसे का देते हो तो दे दो। और आगे बढ़ जाता है ताकि दुकानदार के ताने न सुनने पड़ें। पर दुकानदार उसे वापस बुलाकर चिमटा दे दिता है। तीन ही पैसों में। हामिद बहुत खुश हो जाता है। चिमटा कितने काम की चीज़ है। दादी भी खुश होंगी। जब हामिद घर पहुँचता है तो दादी हामिद को गले से लगा लेती हैं। उनकी आँखों में आँसू आ जाते हैं।

• प्रेमचन्द की उर्दू कहानी 'ईदगाह' से अनुदित।

(यह कहानी बहुत पुराने समय की है। तब 3-4 पैसों में भी कुछ मिल जाता था।)

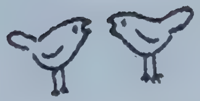

● **बातचीत**

– इस कहानी को पढ़कर तुम्हें 'ईद' के बारे में क्या-क्या पता चला? क्या तुम्हारे आसपास ईद मनाई जाती है? क्या-क्या होता है ईद के दिन?

– हामिद ने झूला क्यों नहीं झूला?

– चिमटा रोटी उतारने के अलावा और किस काम आ सकता है?

– मेले में हामिद को कौन-कौन से खिलौने दिखे? इन खिलौनों से बच्चे क्या खेलते होंगे? क्या आज भी ऐसे खिलौने मिलते हैं?

– हामिद ने क्या खरीदा और क्यों?

– तुम हामिद की जगह होते तो क्या करते?

– कहानी में आए मिठाइयों के नाम लिखो।

● **एक शब्द या वाक्य में उत्तर लिखो**

– हामिद किसके साथ रहता था?

– हामिद के दोस्तों के क्या नाम थे?

– ईद की नमाज़ कहाँ पढ़ी जा रही थी? कौन नमाज़ पढ़ रहे थे?

- **शब्द ढूँढ़कर नीचे लिखो।**

व	की	ल	क	ड़ी

				कि
उ	स	की	म	त
				ने
				व
				ला

....

....

....

- **कहानी में 'द' अक्षर वाले शब्द ढूँढ़ो और यहाँ लिखो।**

'द' शुरू में	'द' बीच में	'द' अन्त में
....	....	....
....	....	....

- **इन शब्दों को कहानी में ढूँढ़ो, वाक्य पढ़ो और उन्हीं शब्दों से नए वाक्य बनाओ।**

मुश्किल   घबरा   सुन्दर   कीमत   ललचाई

- **पढ़ोः**

दादाजी छड़ी लेकर चलते हैं। मैं रात को छड़ी छिपाता हूँ। अगर दादाजी टॉफी देते हैं तो मैं छड़ी वापस कर देता हूँ।

आवाज़ ही आवाज़

दीदी की चक-चक
छोटू की बक-बक
दरवाज़े पे खट-खट
सेंडिल की ठक-ठक
पापा की डाँट
रटा-रट पाठ
बरतन की ठन-ठन
मक्खी की भन-भन
मोटर की भर्र-भर्र
पंखे की घर्र-घर्र
टी.वी. का शोर
चारों ही ओर

कविता पढ़कर चित्र बनाओ

चक-चक, कटा-कट, रट-रट, डाँट-डपट
खट-खट, ठका-ठक, ठन-ठन, भना-भन
आवाज़ ही आवाज़
उफ! कितनी आवाज़।

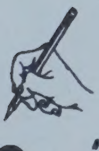

- **'ट' और 'ठ' अक्षर वाले … ढूढ़ो और कॉपी में लिखो।**

ज़रा बताना तो

● इस किताब के पाठों में नीचे दिए वाक्य और चित्र ढूँढ़ो। उनके सामने पाठ का नाम लिखो।

वाक्य / चित्र — पाठ का नाम

1. हिला-हिलाकर अपने पंख। ....

2. ....

3. मुनिया झट से दौड़ी आई। ....

4. जाल की डोरी मोटी। ....

5. 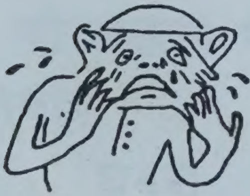 ....

6. मैं तुम्हें चाट कर सुखा दूँ। ....

7. पर यह तो मोर से भी बड़ा है। ....

8. फिर एक मगर ने पीछा किया। ....

9.

वाक्य / चित्र	पाठ का नाम
10.	....
11. असली माल तो खुद खा लिया और मुझे कड़वे पत्ते थमा दिए।	....
12. छुट्टी हुई खेल की चढ़ी कड़ाही तेल की।	....
13.	....
14. पापा की डाँट, रटा-रट पाठ।	....
15. हाथी ने तो हद ही कर दी।	....
16.	....
17. हमको देती आम है, नहीं बताती दाम है।	....

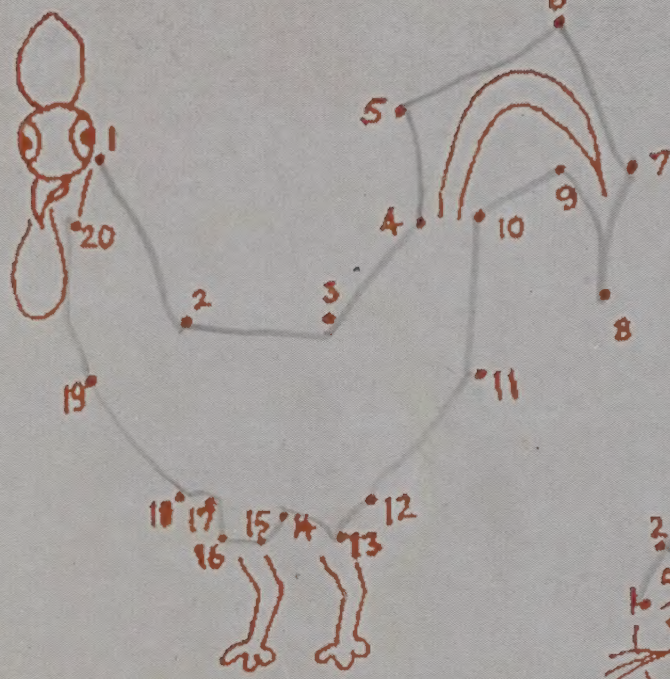

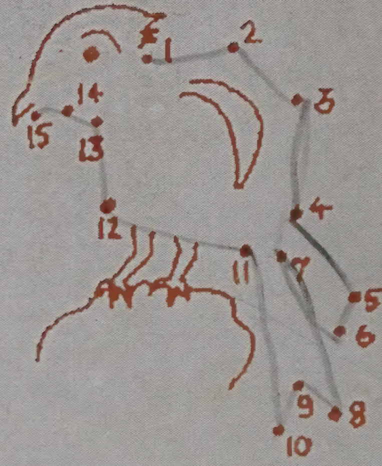

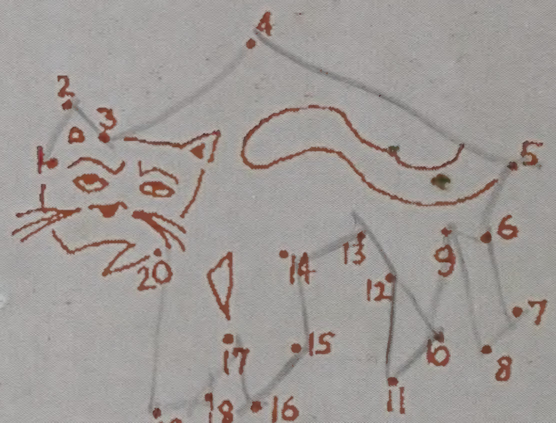

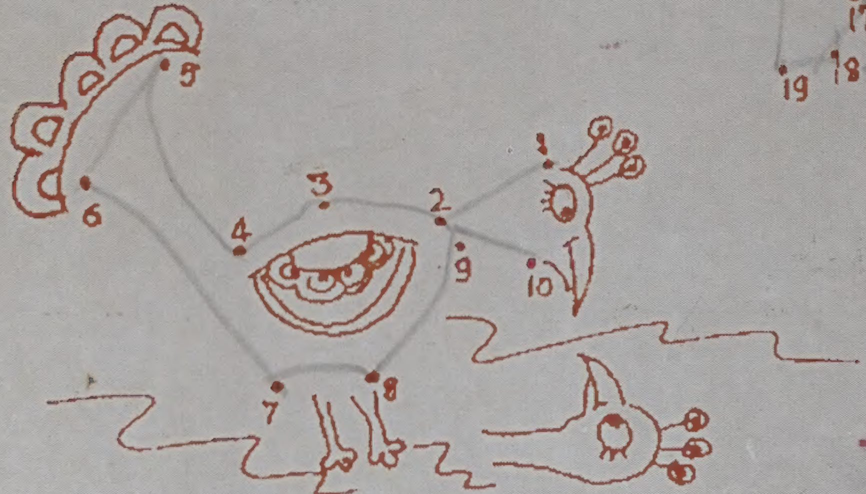

ISBN: 978-81-87171-82-9

9 788187 171829

एकलव्य

मूल्य: ₹ 35.00

A0502H